चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
Top Story, Chandigarh	**15.07.2020**	**--**	**--**

CCSHAU Hisar organized Webinar on 'International Funding for Young Researchers – An opportunity'

Chandigarh

The Directorate of Research, CCSHAU Hisar organized an International Webinar on 'International Funding for Young Researchers – An opportunity' through Google-meet. More than 150 scientists and students participated in this webinar from across the length and breadth of the country.

While welcoming the participants and the Chief orator, the Director of Research, Dr. S.K. Sehrawat stressed on the fact that funding sources are drying up and we need to explore the international funding also. It will give good exposure to the investigators by visiting best labs in across the globe. The main presentation was given by International Scientist, Dr. Rajesh Jalota, Sr. Environment Officer, Department of Environment and Science based at Queensland, Australia. He highlighted the various problems being faced by the researchers in the current scenario of climate change and other factors.

He presented a lot of funding opportunities offered by various agencies from Australia, Europe, U.S. etc. where a researcher can submit a project and hope to get a good response. He also highlighted the conditions to be satisfied for the project preparations and submission. This was the 2nd in series, a webinar hosted by CCSHAU, Hisar under the Chairmanship of Prof. K.P. Singh, Vice-Chancellor, CCSHAU, Hisar. A webinar on 'Project Formulation and Funding Opportunities for Young Researchers' was organized on 16.6.2020 through Googlemeet, which was also attended by around 150 researchers from across the country.

Presenting a vote of thanks, Dr. Neeraj Kumar, Additional Director of Research thanked Dr. Jalota for taking all the pains to join from Australia and guide the researchers from across the country and hope that it will translate into getting more projects and strengthen the research.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.07.2020	04	08

एचएयू के कैंपस स्कूल के चिराग ने मेडिकल में प्राप्त किए 96 प्रतिशत

एचएयू के कैंपस स्कूल के विद्यार्थी चिराग ने 12वीं कक्षा में नॉन मेडिकल स्ट्रीम से 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। चिराग ने संगीत में 100 नंबर हासिल किए तो अंग्रेजी, फिजिक्स, मैथ व कैमिस्ट्री में 95-95 अंक हासिल किए। चिराग के पिता जयवीर दूध की डेयरी चलाते हैं व उनकी मां गृहिणी हैं। चिराग ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया।

कैंपस स्कूल का छात्र चिराग।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15.07.2020	02	01

पोस्टर मेकिंग स्पर्धा में दीपाक्षी और स्लोगन लेखन में साक्षी प्रथम

हिसार | एचएयू में विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित ऑनलाइन विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। एचएयू के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि ऑनलाइन स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का विषय 'कृषि और बढ़ती आबादी' था, जिसमें अंग्रेजी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार की छात्रा साक्षी ने प्रथम स्थान, छात्र दीपक ने दूसरा स्थान व कृषि महाविद्यालय, कौल(कैथल) के छात्र चेतन सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार हिंदी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय हिसार की छात्रा प्रियंका गुप्ता ने प्रथम स्थान पाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	15.07.2020	04	01-03

अनुभव | बोर्ड की मीटिंग में कार्यकाल आगे बढ़ाने व नए वीसी पर फैसला आज

एचएयू कुलपति का कार्यकाल पूरा

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. केपी सिंह का कार्यकाल समाप्त हो गया है। मंगलवार को विश्वविद्यालय में उनका अंतिम दिन था। उन्होंने 15 जुलाई 2016 कुलपति का कार्यभार संभाला था। प्रो. केपी सिंह अब आगे विश्वविद्यालय में सेवाएं देंगे या नहीं, इसका फैसला आज चंडीगढ़ में बोर्ड की बैठक में होगा। इसी बैठक में फैसला होगा कि एचएयू का वीसी किसे लगाया जाएगा। हरियाणा की चीफ सेक्रेटरी केशनी आनंद अरोड़ा की अध्यक्षता में यह बैठक होगी। वहीं कार्यकाल खत्म होने पर प्रो. केपी सिंह ने कहा कि चार साल विश्वविद्यालय में उनका अनुभव शानदार रहा है। मुझे खुशी है कि इन वर्षों में किसानों व युवा पीढ़ी के साथ काम करने का मौका मिला। इस दौरान विदेशी एमओयू भी साइन किए। कई छात्रों को बड़े संस्थानों में प्लेसमेंट भी मिली।

प्रो. केपी सिंह। • जागरण आर्काइव

प्रो. केपी सिंह के कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने कई उपलब्धियां हासिल की। कालेज ऑफ फिशरिज, इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीबिजनेस मैनेजमेंट, कालेज ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, दीनदयाल उपाध्याय ऑर्गेनिक फार्मिंग सेंटर कालेज ऑफ एग्रीकल्चर, बावल रेनोवेशन ऑफ एग्री स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, इनोवेशन सेंटर फोर एग्री वेस्ट मैनेजमेंट, सोलर बेस पॉलीहाउस सिस्टम, एचएयू के मेन गेट का निर्माण और एग्रीबिजनेस एक्यूबिजनेस सेंटर की शुरुआत की। 2016 में सरकार ने प्रो. केपी सिंह को एचएयू का वीसी बनाया था। 52 साल के प्रो. केपी सिंह लंबे समय से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े रहे। उत्तराखंड की जीबी पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी में वे इससे पहले प्रोफेसर थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	15.07.2020	03	01

युवा शोधार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय फंडिंग को जानना जरूरी : केपी सिंह

जासं, हिसार : युवा शोधार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फंडिंग की जानकारी होना बहुत जरूरी है। जानकारी के अभाव में देश के युवा शोधार्थी फंडिंग व अन्य कारकों के चलते अपने शोध को बेहतर ढंग से करने में समर्थ नहीं हो पाते। उक्त विचार एचएयू के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहे। वे युवा शोधार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय फंडिंग : एक अवसर विषय पर आयोजित ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना द्वारा विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय के सहयोग से किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता क्वींसलैंड विश्वविद्यालय आस्ट्रेलिया के पर्यावरण एवं विज्ञान विभाग के वरिष्ठ पर्यावरण अधिकारी डॉ. राजेश जलोटा थे। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ. जलोटा ने कहा कि देश में सूखा सहनशक्ति तकनीक पर अधिक काम करने की जरूरत है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	15.07.2020	12	03-08

युवा शोधार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय फंडिंग : एक अवसर विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार

शोधार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय फंडिंग को जानना जरूरी

■ ऐसी तकनीक अपनानी होगी जो कृषि क्षेत्र में अधिक कारगर हो

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

युवा शोधार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फंडिंग की जानकारी होना बहुत जरूरी है। जानकारी के अभाव में देश के युवा शोधार्थी फंडिंग व अन्य कारकों के चलते अपने शोध को बेहतर ढंग से करने में समर्थ नहीं हो पाते।

उक्त विचार हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहे। वे युवा शोधार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग : एक अवसर विषय पर आयोजित ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना द्वारा विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय के सहयोग से किया गया। मुख्य वक्ता क्वींसलैंड विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया के पर्यावरण एवं विज्ञान विभाग के वरिष्ठ पर्यावरण अधिकारी डॉ. राजेश जलोटा थे। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ. जलोटा ने कहा कि देश में सूखा सहनशक्ति तकनीक पर अधिक काम करने की जरूरत है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन का सीधा असर कृषि पर पड़ता है। इसलिए इस प्रकार की तकनीक को अपनाना होगा जो कृषि क्षेत्र में अधिक कारगर हो। उन्होंने युवा शोधार्थियों से अपील की कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध के लिए अधिक से अधिक संभावनाएं जुटाएं ताकि उनकी शोध प्रक्रियाएं निरंतर जारी रह सकें।

हिसार। प्रतिभागियों को संबोधित करते वेबिनार के मुख्य वक्ता क्वींसलैंड विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया के पर्यावरण एवं विज्ञान विभाग के वरिष्ठ पर्यावरण अधिकारी डॉ. राजेश जलोटा व वेबिनार में मौजूद विश्वविद्यालय के अधिकारी।

प्रोजेक्ट प्रस्तुत करते समय सावधानी बरतें युवा ताकि अधिकाधिक फंडिंग मिल सके

उन्होंने युवा शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने प्रोजेक्ट फंडिंग एजेंसी के उद्देश्य और अपनी समस्या को ध्यान में रखकर प्रस्तुत करें ताकि फंडिंग में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। डॉ. राजेश जलोटा ने बताया कि मौजूदा समय में यूरोप, ऑस्ट्रेलिया व यूएस जैसे देशों में फंडिंग की अपार संभावनाएं हैं। इसलिए अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए ताकि अधिकाधिक फंडिंग मिल सके। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार में देशभर से करीब 150 प्रतिभागी शामिल हुए थे। वेबिनार में परियोजना निदेशक डॉ. विनोद बत्रा सहित विश्वविद्यालय के अनेक अधिकारी तथा शोधार्थी शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	15.07.2020	11	07-08

राजस्थान से सटे किसान टिड्डी दल से रहें सतर्क

हकृवि कुलपति सिंह ने दी सलाह

- हिसार, सिरसा, भिवानी, महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी में टिड्डी दल के प्रवेश की ज्यादा संभावना
- हकृवि ने टिड्डी दल से बचने के लिए जारी की हिदायतें, ढोल बजाकर उड़ाएं टिड्डियों का दल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

राजस्थान प्रदेश से सटे राज्य के जिलों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, महेंद्रगढ़, चरखी दादरी, रेवाड़ी, पलवल इत्यादि में टिड्डी दलों के प्रवेश की संभावना अधिक है। इसलिए इन क्षेत्रों के किसानों को सचेत रहने की आवश्यकता है। हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किसानों को उक्त सलाह देते हुए कहा कि पिछले सप्ताह टिड्डियों के दलों ने रेवाड़ी, भिवानी व सिरसा जिले के कुछ इलाकों में प्रवेश किया जोकि काफी हद तक नियंत्रित कर लिए गए। बावजूद इसके टिड्डी दल के हरियाणा प्रदेश में लगातार प्रवेश एवं फसलों पर आक्रमण भी देखने को मिला है। इसे देखते हुए विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग द्वारा किसानों को सलाह दी गई है कि किसान टिड्डी दल के बारे में आपसी जानकारी सांझा करते रहें तथा समीपवर्ती इलाकों में प्रवेश करते ही अपनी तैयारी दुरुस्त कर लें। इसके अलावा टिड्डी दल का झुंड दिखाई देने पर ढोल, ड्रम बजाकर इन्हें अपने खेतों में नहीं बैठने दें। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि टिड्डी दल के प्रवेश की जानकारी किसान तुरंत नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र या कृषिके अधिकारी को दें ताकि काबू पाया जा सके।

प्रवासी आदत का

डॉ. योगेश कुमार के अनुसार टिड्डी प्रवासी आदत का कीट है। इसलिए ये एक स्थान से दूसरे स्थान तक उड़कर पहुंच जाते हैं। व्यस्क टिड्डियों के परिपक्व होने के बाद ही ये अंडे देने के लिए राजस्थान एवं गुजरात के रेगिस्तानी इलाके जो भारत-पाक सीमा से सटे हैं, अच्छी वर्षा होने के बाद एकत्रित होते हैं। किसानों से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि किसान हकृवि द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए टिड्डी दल से अपनी फसलों का बचाव कर सकते हैं।

टिड्डियों के हिसाब से ही करें छिड़काव

हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि टिड्डी दलों के बैठने की उपयुक्त जगह ऐसे इलाके होते हैं जहां रेतीले टिब्बे तथा कीकर या अन्य जंगली पेड़ झुंड में लगे हुए हों। इसलिए ऐसे इलाके के आसपास के किसानों को काफी सजग रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि टिड्डियों की संख्या अगर एक टिड्डी प्रति वर्ग मीटर से ज्यादा है तभी किसान फसलों में विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशक का छिड़काव करें। इसके अलावा अनावश्यक कीटनाशकों का उपयोग फसलों पर न करें तथा सोशल मीडिया पर अनावश्यक खबरें भी न फैलायें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	15.07.2020	11	04-05

पोस्टर मेकिंग में दीपाक्षी स्लोगन में साक्षी प्रथम

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हकृवि में विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित ऑनलाइन विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। यह जानकारी देते हुए छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि ऑनलाइन स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का विषय कृषि और बढ़ती आबादी था। जिसमें अंग्रेजी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार की छात्रा साक्षी ने प्रथम स्थान, छात्र दीपक ने दूसरा स्थान व कृषि महाविद्यालय कौल कैथल के छात्र चेतन सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार हिंदी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार की छात्रा प्रियंका गुप्ता ने प्रथम स्थान, गृह विज्ञान महाविद्यालय, हिसार की छात्रा आरती ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय, बावल के छात्र रवि शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का विषय विश्व जनसंख्या दिवस-मानवता की जागृति था। जिसमें गृह-महाविद्यालय,की छात्रा दीपाक्षी ने प्रथम स्थान, कृषि महाविद्यालय, बावल की छात्रा इशिका ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय, कौल की छात्रा नीतिका सांगवान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	15.07.2020	--	--

यमुनानगर, कैथल व सिरसा में खुलेंगे मेडिकल कॉलेज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश के तीन जिलों में नए मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का ऐलान किया है। वहीं पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मैडिकल साईंसिस (पीजीआईएमएस) रोहतक में डीएम कार्डियोलॉजी पाठ्यक्रम शुरू करने की भी मंजूरी दी है। सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि तीन नए मेडिकल कॉलेज सिरसा, कैथल और यमुनानगर जिलों में खोले जाएंगे।

सरकार ने दी मंजूरी

- रोहतक पीजीआई में शुरू होगा डीएम कार्डियोलॉजी पाठ्यक्रम

यहां-यहां खुलेंगे

- सिरसा में मेडिकल कॉलेज हरियाणा कृषि विवि, सिरसा की भूमि पर खोला जाएगा।
- कैथल में, मेडिकल कॉलेज की स्थापना ग्राम सरपनखेरी में होगी।
- यमुनानगर में, मेडिकल कॉलेज पंचायत की भूमि पर स्थापित का निर्णय लिया है।

रोहतक में बुनियादी ढांचा मौजूद

पीजीआईएमएस रोहतक में डीएम कार्डियोलॉजी पाठ्यक्रम मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के तहत संचालित होगा। रोहतक में पहले से ही डीएम कार्डियोलॉजी पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की आवश्यकता के अनुसार सभी आवश्यक बुनियादी ढांचे व उपकरण हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	15.07.2020	02	02-03

युवा शोधार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय फंडिंग को जानना जरूरी : कुलपति

प्रतिभागियों को संबोधित करते वैबिनार के मुख्य वक्ता डॉ. राजेश जलोटा व मौजूद विश्वविद्यालय के अधिकारी।

हिसार, 14 जुलाई (ब्यूरो): युवा शोधार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फंडिंग की जानकारी होना बहुत जरूरी है। जानकारी के अभाव में देश के युवा शोधार्थी फंडिंग व अन्य कारकों के चलते अपने शोध को बेहतर ढंग से करने में समर्थ नहीं हो पाते। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर के.पी. सिंह ने कहे। वे 'युवा शोधार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग : एक अवसर' विषय पर आयोजित ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वैबिनार के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। वैबिनार के मुख्य वक्ता क्वींसलैंड विश्वविद्यालय आस्ट्रेलिया के पर्यावरण एवं विज्ञान विभाग के वरिष्ठ पर्यावरण अधिकारी डॉ. राजेश जलोटा थे।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ. जलोटा ने कहा कि देश में सूखा सहनशक्ति तकनीक पर अधिक काम करने की जरूरत है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन का सीधा असर कृषि पर पड़ता है। इसलिए इस प्रकार की तकनीक को अपनाना होगा जो कृषि क्षेत्र में अधिक कारगर हो। उन्होंने युवा शोधार्थियों से अपील की कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध के लिए अधिक से अधिक संभावनाएं जुटाएं, ताकि उनकी शोध प्रक्रियाएं निरंतर जारी रह सकें।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने वैबिनार में देशभर से करीब 150 प्रतिभागी शामिल हुए थे। प्रतिभागियों ने वरिष्ठ पर्यावरण अधिकारी डॉ. राजेश जलोटा से शोध में आने वाली समस्याओं व समाधान को लेकर सवाल किए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	15.07.2020	03	05-07

टिड्डी के प्रकोप से बचने के लिए किसान को रहना होगा सचेत

हिसार, 14 जुलाई (ब्यूरो): राजस्थान से सटे राज्य के जिलों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, महेन्द्रगढ़, चरखी दादरी, रेवाड़ी, पलवल इत्यादि में टिड्डी दलों के प्रवेश की संभावना अधिक है। इसलिए इन क्षेत्रों के किसानों को सचेत रहने की आवश्यकता है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने किसानों को उक्त सलाह देते हुए कहा कि पिछले सप्ताह टिड्डियों के दलों ने रेवाड़ी, भिवानी व सिरसा जिले के कुछ इलाकों में प्रवेश किया, जोकि काफी हद तक नियंत्रित कर लिए गए। बावजूद इसके टिड्डी दल के हरियाणा प्रदेश में लगातार प्रवेश एवं फसलों पर आक्रमण भी देखने को मिला है।

कुलपति ने कहा कि टिड्डी दलों के बैठने की उपयुक्त जगह ऐसे इलाके होते हैं जहां रेतीले टिब्बे तथा कीकर या अन्य जंगली पेड़ झुंड में लगे हुए हों। इसलिए ऐसे इलाके के आसपास के किसानों को काफी सजग रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि टिड्डियों की संख्या अगर एक टिड्डी प्रति वर्ग मीटर से ज्यादा है तभी किसान फसलों में विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किए गए कीटनाशक का छिड़काव करें। इसके अलावा अनावश्यक कीटनाशकों का उपयोग फसलों पर न करें।

प्रवासी आदत का कीट है टिड्डी

डॉ. योगेश कुमार के अनुसार टिड्डी प्रवासी आदत का कीट है। इसलिए ये एक स्थान से दूसरे स्थान तक उड़कर पहुंच जाते हैं।

व्यस्क टिड्डियों के परिपक्व होने के बाद ही ये अण्डे देने के लिए राजस्थान एवं गुजरात के रेगिस्तानी इलाके जो भारत-पाक सीमा से सटे हैं, अच्छी वर्षा होने के बाद इक्कठा होते हैं। किसान हकृवि द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए टिड्डी दल से अपनी फसलों का बचाव कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	15.07.2020	02	04-05

पोस्टर मेकिंग में दीपाक्षी व स्लोगन में साक्षी प्रथम

हिसार, 14 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित ऑनलाइन विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि ऑनलाइन स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का विषय 'कृषि और बढ़ती आबादी' था, जिसमें अंग्रेजी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार की छात्रा साक्षी ने प्रथम स्थान, छात्र दीपक ने दूसरा स्थान व कृषि महाविद्यालय, कौल (कैथल) के छात्र चेतन सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार हिन्दी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार की छात्रा प्रियंका गुप्ता ने प्रथम स्थान, आई.सी. गृह विज्ञान महाविद्यालय, हिसार की छात्रा आरती ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय, बावल के छात्र रवि शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में आई.सी. गृह-महाविद्यालय, हिसार की छात्रा दीपाक्षी ने प्रथम स्थान, कृषि महाविद्यालय, बावल की छात्रा इशिका ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय, कौल (कैथल) की छात्रा नीतिका सांगवान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15.07.2020	01	02-04

एचएयू के नए वीसी के नाम पर फैसला आज

हरियाणा शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह और तीन विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रार दौड़ में

संदीप बिश्नोई/अमित भारद्वाज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. केपी सिंह का कार्यकाल मंगलवार को समाप्त हो गया। इसके साथ ही उनका कार्यकाल बढ़ाने या नए कुलपति को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि बुधवार को होने वाली बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की बैठक में इन अटकलों पर विराम लग जाएगा। बैठक में साफ हो जाएगा कि विवि की कमान नए हाथों में जाएगी या वर्तमान कुलपति का कार्यकाल बढ़ाया जाएगा।

इसके अलावा लॉकडाउन के चलते किसी को भी अस्थायी तौर पर चार्ज दिया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार 10 से अधिक लोग कुलपति पद के लिए दौड़ में हैं। इनमें हरियाणा शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जगबीर सिंह सबसे आगे हैं। इनके अलावा तीन विश्वविद्यालयों के वर्तमान कुलसचिव और एक पूर्व कुलसचिव भी कुलपति की दौड़ में शामिल हैं। यहां तक कि एचएयू के कुलसचिव डॉ. बीके कंबोज ने भी आवेदन किया हुआ है। सूत्रों के अनुसार लाला लाजपत राय पशु विज्ञान एवं पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. हरीश गुलाटी, इसी विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार डॉ. प्रदीप बामल और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. नीता खन्ना भी दौड़ में शामिल हैं। इनके अलावा एचएयू में शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं एटिक के मैनेजर रहे रिटायर्ड वैज्ञानिक डॉ. अवतार सिंह का नाम भी कुलपति पद के दावेदारों में है। इनके अलावा डॉ. एसके मल्होत्रा, डॉ. आशा क्वात्रा, डॉ. अशोक यादव, डॉ. वीपी लुहाच व डॉ. एचडी कौशिक भी इस दौड़ में शामिल हैं। डॉ. आशा क्वात्रा वर्तमान में विवि में डीन पीजीएस के पद पर तैनात हैं, जबकि डॉ. यादव, डॉ. लुहाच व डॉ. कौशिक इसी विवि से सेवानिवृत्त हुए हैं। डॉ. मल्होत्रा भी एचएयू में काम कर चुके हैं और वर्तमान में केंद्र में एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट में कार्यरत हैं।

पिछले 50 वर्षों में एक बार मिली है एक्सटेंशन

एचएयू में कुलपति का कार्यकाल चार वर्ष का होता है। 1970 में स्थापित हुए इस विश्वविद्यालय के पहले कुलपति डॉ. एएल फ्लेचर थे। पिछले 50 वर्षों में आज तक एक बार ही ऐसा हुआ है कि किसी कुलपति का कार्यकाल बढ़ाया गया हो। कांग्रेस की सरकार में वर्ष 2012 में पहली बार कुलपति डॉ. केके खोखर का कार्यकाल बढ़ाया गया था। कुलपति की नियुक्ति को लेकर प्रदेश के वर्तमान हालात की बात करें तो केवल जीजेयू और मुरथल यूनिवर्सिटी के कुलपतियों का कार्यकाल बढ़ाया गया था। एमडीयू रोहतक, सीडीएलयू सिरसा और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में भी कुलपति का कार्यकाल नहीं बढ़ा।

वर्तमान कुलपति का कार्यकाल बढ़ने की भी संभावना

हालांकि कोविड संकट के चलते अगर सरकार नया कुलपति तय नहीं कर पाती है तो ऐसी स्थिति में वर्तमान कुलपति का कार्यकाल कुछ समय के लिए बढ़ाया जा सकता है। अन्यथा विश्वविद्यालय के सबसे सीनियर प्रोफेसर/डीन को इसका चार्ज मिल सकता है। इन दोनों के अलावा किसी अन्य विवि के कुलपति या सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव को भी यह चार्ज दिया जा सकता है। लुवास के कुलपति डॉ. गुरदियाल सिंह को एचएयू का चार्ज दिए जाने की भी अटकलें लगाई जा रही हैं।

> बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की बैठक बुधवार को बुलाई गई है। नए वीसी के चयन का फैसला कमेटी करेगी। इस बात का निर्णय भी कमेटी ही करेगी कि वीसी का कार्यकाल बढ़ाया जाना है या नया नियुक्त किया जाना है।
>
> **- केशनी आनंद अरोड़ा, मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार**

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15.07.2020	02	07-08

टिड्डी दल की संख्या के हिसाब से करें कीटनाशक का छिड़काव : डॉ. योगेश

हिसार। एचएयू के कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेश कुमार ने कहा है कि टिड्डियों की संख्या को देखकर ही कीटनाशकों का छिड़काव करना चाहिए। खेत में अगर 50-100 टिड्डियां दिखाई दें तो स्प्रे की आवश्यकता नहीं होती। इन टिड्डियों को किसान शोर करके फसल से उड़ा दें या फिर संभव हो तो किसी फट्टी आदि से फसल को बिना नुकसान पहुंचाए मार दें। किसान पहले से ही अपनी फसल पर स्प्रे न करें। टिड्डी दल के बैठने पर 1200 एमएल क्लोरपाइरिफॉस 20 प्रतिशत 400 से 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से स्प्रे करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15.07.2020	02	07-08

पोस्टर मेकिंग में दीपाक्षी व स्लोगन में साक्षी प्रथम

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित ऑनलाइन विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि ऑनलाइन स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय हिसार की छात्रा साक्षी ने प्रथम स्थान, छात्र दीपक ने दूसरा व कृषि महाविद्यालय कौल (कैथल) के छात्र चेतन सिंह ने तृतीय, हिंदी स्लोगन लेखन में कृषि महाविद्यालय हिसार की छात्रा प्रियंका गुप्ता ने प्रथम स्थान, आईसी गृह विज्ञान महाविद्यालय हिसार की छात्रा आरती ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय बावल के छात्र रवि शर्मा ने तृतीय और पोस्टर मेकिंग में गृह महाविद्यालय हिसार की छात्रा दीपाक्षी ने प्रथम, कृषि महाविद्यालय बावल की छात्रा इशिका ने द्वितीय व कृषि महाविद्यालय, कौल (कैथल) की छात्रा नीतिका सांगवान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	14.07.2020	--	--

हकृवि में 'युवा शोधार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फंडिग : एक अवसर' विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

युवा शोधार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय फंडिंग को जानना जरूरी : प्रो. सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। युवा शोधार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फंडिंग की जानकारी होना बहुत जरूरी है। जानकारी के अभाव में देश के युवा शोधार्थी फंडिंग व अन्य कारकों के चलते अपने शोध को बेहतर ढंग से करने में समर्थ नहीं हो पाते। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहे। वे 'युवा शोधार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फंडिग : एक अवसर' विषय पर आयोजित ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना द्वारा विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशालय के सहयोग से किया गया। वेबिनार के मुख्य वक्ता क्वींसलैंड विश्वविद्यालय आस्ट्रेलिया के पर्यावरण एवं विज्ञान विभाग के वरिष्ठ पर्यावरण अधिकारी डॉ. राजेश जलोटा

थे। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ. जलोटा ने कहा कि देश में सूखा सहनशक्ति तकनीक पर अधिक काम करने की जरूरत है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन का सीधा असर कृषि पर पड़ता है। इसलिए इस प्रकार की तकनीक को अपनाना होगा जो कृषि क्षेत्र में अधिक कारगर हो। उन्होंने युवा शोधार्थियों से अपील की कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध के लिए अधिक से अधिक संभावनाएं जुटाएं ताकि उनकी शोध प्रक्रियाएं निरंतर जारी रह सकें। उन्होंने युवा शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने प्रोजेक्ट फंडिंग एजेंसी के उद्देश्य और अपनी समस्या को ध्यान में रखकर प्रस्तुत करें ताकि फंडिंग में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। डॉ. राजेश जलोटा ने बताया कि मौजूदा समय में यूरोप, आस्ट्रेलिया व यू.एस. जैसे देशों में फंडिंग की अपार संभावनाएं हैं। इसलिए अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत करते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए ताकि अधिकाधिक फंडिंग मिल सके। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

उन्होंने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार में देशभर से करीब 150 प्रतिभागी शामिल हुए थे। प्रतिभागियों ने वरिष्ठ पर्यावरण अधिकारी डॉ. राजेश जलोटा से शोध में आने वाली समस्याओं व समाधान को लेकर सवाल किए जिनका उन्होंने बड़ी सटीकता से जवाब दिया। वेबिनार में अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार ने देशभर के प्रतिभागियों का इस वेबिनार में जुड़ने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे डॉ. जलोटा द्वारा 'युवा शोधार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फंडिग : एक अवसर' पर बताई गई जानकारियों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। वेबिनार में परियोजना निदेशक डॉ. विनोद बत्रा सहित विश्वविद्यालय के अनेक अधिकारी व शोधार्थी भी शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	14.07.2020	--	--

हकृवि में विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित

पोस्टर मेकिंग में दीपाक्षी व स्लोगन में साक्षी प्रथम

पांच बजे न्यूज

हिसार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित ऑनलाइन विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। यह जानकारी देते हुए छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि ऑनलाइन स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का विषय 'कृषि और बढ़ती आबादी' था, जिसमें अंग्रेजी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार की छात्रा साक्षी ने प्रथम स्थान, छात्र दीपक ने दूसरा स्थान व कृषि महाविद्यालय, कौल(कैथल) के छात्र चेतन सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसी प्रकार हिन्दी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार की छात्रा प्रियंका गुप्ता ने प्रथम स्थान, आई.सी. गृह विज्ञान महाविद्यालय, हिसार की छात्रा आरती ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय, बावल के छात्र रवि शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उन्होंने बताया कि पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का विषय 'विश्व जनसंख्या दिवस-मानवता की जागृति' था, जिसमें आई.सी. गृह-महाविद्यालय, हिसार की छात्रा दीपाक्षी ने प्रथम स्थान, कृषि महाविद्यालय, बावल की छात्रा इशिका ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय, कौल(कैथल) की छात्रा नीतिका सांगवान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

लक्ष्य पब्लिक स्कूल की छात्रा सेजल ने पाया प्रथम स्थान

हिसार। गांव धान्सू स्थित लक्ष्य पब्लिक स्कूल का दसवीं कक्षा का परिणाम शानदार रहा। छात्रा सजल पुत्री रघुबीर सिंह ने 500 में से 471 अंक लेते हुए स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं छात्रा दीक्षा पुत्री विरेंदर ने 468 अंकों के साथ स्कूल में दूसरा, नीतू पुत्री सुनील ने 451 अंकों के साथ तीसरा, किरण पुत्री जगरूप ने 450 अंकों के साथ चतुर्थ व वनीता पुत्री सुरेश ने 445 अंकों के साथ पांचवां, राहुल पुत्र मनोहरलाल ने 439 अंकों के साथ छट्टा, हंसा देवी पुत्री सुशील ने 434 अंकों के साथ सातवां, प्रीती पुत्री सुरेंदर ने 432 अंकों के साथ आठवां, अंजू पुत्री भागीरथ ने 424 अंकों के साथ नौवां तथा कुसुम पुत्री जयबीर सिंह ने 422 अंकों के साथ दसवां स्थान प्राप्त किया। यह जानकारी देते हुए लक्ष्य पब्लिक स्कूल के निदेशक रामनिवास वर्मा ने बताया कि स्कूल के 19 बच्चों ने बोर्ड मैरिट तथा 10 बच्चों ने मैरिट प्राप्त कर गांव, स्कूल व अभिभावकों का नाम रोशन किया है। स्कूल के डारेक्टर रामनिवास वर्मा ने स्कूल के इस बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए प्राचार्या राजबाला व समस्त स्टाफ को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	14.07.2020	--	--

'युवा शोधार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फंडिग : एक अवसर' विषय पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार आयोजित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। युवा शोधार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फंडिंग की जानकारी होना बहुत जरूरी है। जानकारी के अभाव में देश के युवा शोधार्थी फंडिंग व अन्य कारकों के चलते अपने शोध को बेहतर ढंग से करने में समर्थ नहीं हो पाते। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह ने कहे। वे 'युवा शोधार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फंडिग : एक अवसर' विषय पर आयोजित ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्य वक्ता क्वींसलैंड विश्वविद्यालय आस्ट्रेलिया के पर्यावरण एवं विज्ञान विभाग के वरिष्ठ पर्यावरण अधिकारी डॉ. राजेश जलोटा थे। डॉ. जलोटा ने कहा कि देश में सूखा सहनशक्ति तकनीक पर अधिक काम करने की जरूरत है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन का सीधा असर कृषि पर पड़ता है। उन्होंने युवा शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने प्रोजेक्ट फंडिंग एजेंसी के उद्देश्य और अपनी समस्या को ध्यान में रखकर प्रस्तुत करें ताकि फंडिंग में किसी प्रकार की दिक्कत न हो।

हिसार। प्रतिभागियों को संबोधित करते डॉ. राजेश जलोटा व वेबिनार में मौजूद विश्वविद्यालय के अधिकारी।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन वेबिनार में देशभर से करीब 150 प्रतिभागी शामिल हुए थे। वेबिनार में अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार ने देशभर के प्रतिभागियों का इस वेबिनार में जुड़ने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे बताई गई जानकारियों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	14.07.2020	--	--

टिड्डी के प्रकोप से बचने के लिए किसान हो जाएं सचेत : केपी सिंह

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। राजस्थान प्रदेश से सटे राज्य के जिलों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, महेन्द्रगढ़, चरखी दादरी, रेवाड़ी, पलवल इत्यादि में टिड्डी दलों के प्रवेश की संभावना अधिक है इसलिए इन क्षेत्रों के किसानों को सचेत रहने की आवश्यकता है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि पिछले सप्ताह टिड्डियों के दलों ने रेवाड़ी, भिवानी व सिरसा जिले के कुछ इलाकों में प्रवेश किया जोकि काफी हद तक नियंत्रित कर लिए गए। बावजूद इसके टिड्डी दल के हरियाणा प्रदेश में लगातार प्रवेश एवं फसलों पर आक्रमण भी देखने को मिला है। इसी को देखते हुए विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग द्वारा किसानों को सलाह दी गई है कि किसान टिड्डी दल के बारे में आपसी जानकारी सांझा करते रहें तथा समीपवर्ती इलाकों में प्रवेश करते ही अपनी तैयारी दुरूस्त कर लें। विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेश कुमार ने बताया कि टिड्डियों की संख्या को देखकर ही कीटनाशकों का छिड़काव करना चाहिए। एक खेत में अगर 50-100 टिड्डियां दिखाई दें (ये टिड्डियां दल से अलग होने वाली या भटकी हुई टिड्डियां होती हैं) तो स्प्रे की आवश्यकता नहीं होती। इन टिड्डियों को किसान शोर कर के खेत में फसल से उड़ा दें या फिर संभव हो तो किसी फट्टी आदि से फसल को बिना नुकसान पहुंचाए मार दें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	14.07.2020	--	--

पोस्टर मेकिंग में दीपाक्षी व स्लोगन में साक्षी प्रथम

विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित ऑनलाइन विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। यह जानकारी देते हुए छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि ऑनलाइन स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का विषय 'कृषि और बढ़ती आबादी' था, जिसमें अंग्रेजी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार की छात्रा साक्षी ने प्रथम स्थान, छात्र दीपक ने दूसरा स्थान व कृषि महाविद्यालय,कौल(कैथल) के छात्र चेतन सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार हिन्दी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार की छात्रा प्रियंका गुप्ता ने प्रथम स्थान, आई.सी. गृह विज्ञान महाविद्यालय, हिसार की छात्रा आरती ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय, बावल के छात्र रवि शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का विषय 'विश्व जनसंख्या दिवस-मानवता की जागृति' था, जिसमें आई.सी. गृह-महाविद्यालय, हिसार की छात्रा दीपाक्षी ने प्रथम स्थान, कृषि महाविद्यालय, बावल की छात्रा इशिका ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय, कौल(कैथल) की छात्रा नीतिका सांगवान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन प्रतियोगिताओं में हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, चण्डीगढ़ और दिल्ली से विश्वविद्यालय में अध्ययनरत् 68 छात्रों ने भाग लिया। ई-मेल के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को आई.डी व पंजीकरण की जानकारी दी गई व सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट जारी किए जाएंगे। स्लोगन लेखन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों की प्रवष्टियों का आंकलन विषय की सार्थकता सिद्ध करने वाले कारकों जैसे शब्दों का चुनाव, शब्द सीमा, स्पष्टता, रंगों का चुनाव, सुन्दरता व प्रभावशीलता के आधार पर किया गया। सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर आयोजित इन ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में निबंध, कविता, स्लोगन लेखन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं शामिल थी, जिनमें निंबध व कविता लेखन प्रतियोगिता के परिणाम पहले ही घोषित किए जा चुके हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	14.07.2020	--	--

पोस्टर मेकिंग में दीपाक्षी व स्लोगन में साक्षी प्रथम

हिसार/14 जुलाई/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित ऑनलाइन विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि ऑनलाइन स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का विषय 'कृषि और बढ़ती आबादी' था, जिसमें अंग्रेजी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार की छात्रा साक्षी ने प्रथम स्थान, छात्र दीपक ने दूसरा स्थान व कृषि महाविद्यालय,कौल(कैथल) के छात्र चेतन सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार हिन्दी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार की छात्रा प्रियंका गुप्ता ने प्रथम स्थान, आई.सी. गृह विज्ञान महाविद्यालय, हिसार की छात्रा आरती ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय, बावल के छात्र रवि शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का विषय 'विश्व जनसंख्या दिवस-मानवता की जागृति' था, जिसमें आई.सी. गृह-महाविद्यालय, हिसार की छात्रा दीपाक्षी ने प्रथम स्थान, कृषि महाविद्यालय, बावल की छात्रा इशिका ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय, कौल(कैथल) की छात्रा नीतिका सांगवान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	14.07.2020	--	--

पोस्टर मेकिंग में दीपाक्षी व स्लोगन में साक्षी प्रथम

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित ऑनलाइन विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि ऑनलाइन स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का विषय 'कृषि और बढ़ती आबादी' था, जिसमें अंग्रेजी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार की छात्रा साक्षी ने प्रथम स्थान, छात्र दीपक ने दूसरा स्थान व कृषि महाविद्यालय, कौल (कैथल) के छात्र चेतन सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार हिन्दी स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार की छात्रा प्रियंका गुप्ता ने प्रथम स्थान, आई.सी. गृह विज्ञान महाविद्यालय, हिसार की छात्रा आरती ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय, बावल के छात्र रवि शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का विषय 'विश्व जनसंख्या दिवस-मानवता की जागृति' था, जिसमें आई.सी. गृह-महाविद्यालय, हिसार की छात्रा दीपाक्षी ने प्रथम स्थान, कृषि महाविद्यालय, बावल की छात्रा इशिका ने द्वितीय स्थान व कृषि महाविद्यालय, कौल(कैथल) की छात्रा नीतिका सांगवान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के.पी. सिंह के दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति ने सभी प्रतिभागियों को बढ़-चढ़कर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से मौजूदा प्रतियोगिताओं के समय में प्रतिभागियों में संघर्षशील व प्रयत्नशील बने रहने की प्रेरणा मिलती है। इसलिए विद्यार्थी इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए हमेशा तैयार रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष, सिरसा	14.07.2020	--	--

निबंध लेखन में सचिन व हिंदी कविता लेखन में अखिलेश प्रथम

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस पर करवाई गई ऑनलाइन विभिन्न प्रतियोगिताओं का परिणाम सोमवार को घोषित कर दिया गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि निबंध प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, हिसार के सचिन गर्ग ने प्रथम स्थान, प्रियंका गुप्ता ने दूसरा स्थान व प्राची बंसल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता का विषय 'कोविड -19 महामारी से भारतीय आबादी को खतरा' था। इसी प्रकार हिंदी कविता लेखन प्रतियोगिता जिसका विषय 'जनसंख्या व वातावरण' था, में प्रथम स्थान कृषि महाविद्यालय, हिसार के छात्र अलकेश यादव ने, दूसरा स्थान कृषि महाविद्यालय, कौल (कैथल) की छात्रा कुमारी प्रमोद ने व तृतीय स्थान कृषि महाविद्यालय, हिसार के राहुल शर्मा ने प्राप्त किया। अंग्रेजी कविता लेखन में रूपित गोयल ने प्रथम स्थान, शुभम सचदेवा ने दूसरा स्थान व दिनेश कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्र कल्याण निदेशक ने बताया कि विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर के.पी. सिंह के दिशा-निर्देश एवं मार्गदर्शन में इन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर ने सभी प्रतिभागियों को बढ़-चढ़कर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बधाई दी है।

ये थे निर्णायक मंडल में शामिल:- छात्र कल्याण निदेशक ने बताया कि हिंदी कविता लेखन में आठ व अंग्रेजी लेखन कविता में 4 विद्यार्थियों ने अपनी कृतियां भेजी। इसी प्रकार निबंध लेखन में 21 प्रतिभागियों ने अपने निबंध भेजे। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों की कृतियों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें इन्टरनेट से कॉपी-पेस्ट की आदत को छोड़ने के लिए छात्रों ने काफी मेहनत की। मूल्यांकन करने का कार्य लिटरेरी एंड डिबेटिंग सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा व सचिव डॉ. राजेश कथवाल ने किया। निबंध लेखन में 37, कविता लेखन में 18, पोस्टर मेकिंग में 24 व स्लोगन लेखन में 35 छात्रों ने पंजीकरण किया। एक छात्र ने उपरोक्त प्रतियोगिताओं में एक से ज्यादा में भाग लिया और इस प्रकार हरियाणा, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, चंडीगढ़ और दिल्ली से विश्वविद्यालय में अध्ययनरत 68 छात्रों ने भाग लिया। सोसायटी के सचिव डॉ. राजेश कथवाल ने ई-मेल के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को आई.डी व पंजीकरण की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट जारी किए जाएंगे।

सांख्यिकी के लिए 'आर' साफ्टवेयर बहुत जरूरी: प्रो. खान

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में सोमवार को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अत्तरअली खान ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. के.पी. सिंह के कुशल नेतृत्व में चल रहे इस कोर्स में प्रो. खान ने प्रतिभागियों को 'आर' सॉफ्टेवयर के बारे में बताते हुए कहा कि यह साफ्टवेयर वर्तमान में सांख्यिकी के आंकड़ों के विश्लेषण के लिए बहुत ही जरूरी है। इसके प्रयोग से आंकड़ों का सही विश्लेषण हो पाता है और इसके परिणाम भी सार्थक व सटीक आते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को इस सॉफ्टवेयर के अधिक से अधिक प्रयोग के लिए प्रेरित किया और इसकी आधारभूत तकनीकों से व्यवहारिक रूप से अवगत कराया। दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ. ए.पी. पाण्डेय ने प्रतिभागियों को स्टेटिकल इंफ्रंस की बेसिक तकनीकों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि आंकड़ों के सही विश्लेषण के लिए सही सॉफ्टवेयर की जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने मौजूदा समय में प्रचलित सॉफ्टवेयर का रिसर्च में प्रयोग करने की सलाह दी। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि गणित और सांख्यिकी विभाग के सहयोग से मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित इस कोर्स में देशभर के विभिन्न प्रांतों से एक साथ 160 वैज्ञानिक, शिक्षक और विस्तार विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

सात मोड्यूल की दी जानकारी:-

रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मोड्यूल की जानकारी दी गई। इनमें परिचयात्मक और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सांख्यिकी तकनीक, अग्रिम सांख्यिकीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय पैकेज, डिजाइन ऑफ एक्सपरिमेंट्स, सांख्यिकीय जेनेटिक्स व अनुकूलन तकनीक शामिल हैं। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक डॉ. मंजु मेहता व डॉ. विनय कुमार ने बताया कि इस कोर्स में देश के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ प्रतिभागियों को व्याख्यान दिया गया व उन्हें विभिन्न मोड्यूल से अवगत करवाया गया।